स्क्यान कैके
पहुरा थारु दैनिकके अनलाइन न्यूज ओ ओकरभिट्टर डारल इ-पेपरमे देशविदेशसे हमार अनलाइन न्यूज ओ पत्रिका पहे सेक्बी ।

थारू भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।
नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २३ अंक ३४९ वि.सं. २०८३ असार ३२ गते बिफे थारु सम्वत (२६४९) [Thursday 16 July 2026] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

सत्तामे रहिके बजेट पारित कैना साथ नैडेहलपाछे चार मन्त्री बर्खास्त

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ३१ असार । सत्तामे रहिकेफे बजेट पारित कैना साथ नैडेहलपाछे सुदूरपश्चिम प्रदेशके मुख्यमन्त्री कमलबहादुर शाहसे नेपाल कम्युनिष्ट पार्टी (एमाले) के मन्त्रीहुकनहे बर्खास्त करले बटै ।

मुख्यमन्त्री शाहसे बुधके एमालेके तीन मन्त्री ओ एक राज्यमन्त्री करके चार जाने मन्त्रीहुकनहे बरखास्त करल हुइट । अपनही सहभागी सरकारसे ल्यानल आगामी आर्थिक वर्ष २०८३/८४ के बजेट पुनर्लेखन करेपर्ना अडानसहित नेकपा (एमाले) से खर्च कटौतीके प्रस्ताव प्रदेश सभा सचिवालयमे दर्ता करल बा ।

उ पार्टीसे यथास्थितिमे बजेट पारित कैना साथ नैडेना अडान लेहलपाछे मुख्यमन्त्रीसे नेपाली कांग्रेसके शीर्ष नेताहुक्रे ओ अपन मन्त्रीपरिषद्के सदस्यहुकनसंग छलफल पश्चात एमालेके मन्त्रीहुकनहे बर्खास्त करल उहाँक प्रेस तथा जनसम्पर्क सल्लाहकार डम्मर बम जानकारी डेलै ।

शाहसे भौतिक पूर्वाधारमन्त्री सुरेन्द्रबहादुर पाल, आन्तरिक मामिला तथा कानुनमन्त्री हिरासिंह सार्की, भूमि, व्यवस्था, कृषि तथा सहकारीमन्त्री वीरबहादुर थापा ओ भौतिक पूर्वाधार राज्यमन्त्री

निर्मलादेवी साउँदहे बर्खास्त करले बटै । मन्त्री बर्खास्त करके मुख्यमन्त्रीसे सक्कु मन्त्रालय अपनसंग राखले बटै ।

मन्त्रीहुकनहे बर्खास्त कैना आघे छलफल करटी मुख्यमन्त्री शाहसे बजेट पारितके लाग सहयोग कैना वा सरकार छोरना विकल्प डेहल रहिट । सत्तारुढ दल नेपाली कांग्रेस ओ एमालेबिच दूरी बह्रलपाछे अब सुदूरपश्चिम प्रदेशके अइना आर्थिक वर्षके बजेट पारित नैहुइना लगभग पक्का हुइल बा ।

प्रदेशके बजेट असार महिनाभिटरे पारित हुई पर्ना कानुनी प्रावधान रहल बा । मन्त्रीहे पद्मुक्त करसेकलपाछे प्रतिक्रिया डेटी मुख्यमन्त्री शाहसे संविधानसे डेहल अधिकार प्रयोग करके कार्यविभाजन करल बटैलै । उहाँ बजेटमे हुइल प्राविधिक त्रुटिहे सच्याके हुइलेसेफे बजेट आघे बह्राई कहेबेरफे एमालेसे कौनो बाट नैआइल कारण मन्त्रीमण्डल हेरफेर करे परल उल्लेख करलै ।

अइना आर्थिक वर्षके बजेट पारितके लाग असार ३२ सम समय रहल कहटी मुख्यमन्त्री शाहसे रहल संवैधानिक ओ कानुनी प्रावधानभिटर रहिके सरकार आघे बह्रना बटैलै । "वर्तमान परिवेशमे सक्कुहुनसंग सम्वाद करके आघे बह्रे परठ कना हमार कहाई हो", मुख्यमन्त्री शाह कहलै,"अब्बेफे एमालेसंग संवाद पूर्ण अन्त्य नैहो ।

एमाले, नेकपा, अन्य दलसंगफे संवाद करके बजेट पास कैना सन्दर्भमे हम्रे एक ठाउँमे ठरहयाई परठ कना सरकारके मान्यता बा ।"

आब नेपाली कम्युनिष्ट पार्टी (नेकपा) संग मिल्के कांग्रेससे सत्ता चलैना हल्ला चलल बेला मुख्यमन्त्री शाहसे संवाद सक्कु दलहुकनसंग हुइटी रहल बटैलै । उहाँ कहलै, "सक्कु दलहुकनसंग सम्वाद कैबी हम्रे ओ जहाँसम सर्वसम्मत रुपमे एक ठो वातावरण बनाके आघे बह्रना पर्यत्न बा ।

ओम्नेफे बहुमत आवश्यक नै हो ।" अइना आर्थिक वर्षके लाग ल्यानल बजेट पारित नैहुइलेसे सरकारसे अध्यादेशमार्फत पेश्की बजेट ल्याने सेक्ना बटाइल बा ।

सशस्त्र प्रहरी बलहे विपद् उद्धार सामग्री हस्तान्तरण

पहुरा समाचारदाता

कञ्चनपुर, ३१ असार । कञ्चनपुरके पुर्नबास नगरपालिकासे सशस्त्र प्रहरी बलहे विपद् उद्धार सामग्री हस्तान्तरण करले बा ।

यहाँके दक्षिण क्षेत्रमे रहल पालिकामे दोदा लडिया क्षति पुगैटी आइल बा कलेसे वर्षातके समयमे डुबानलगायतके समस्यासे पालिकाके नागरिक प्रभावित हुइना करल पुर्नबास नगरपालिका जनैले बा ।

विपद् तथा बारहके बेला हुइ सेक्ना सम्भावित क्षति न्यूनीकरणके लाग उद्धारमे खटजैना सशस्त्र प्रहरीहे एक थान रवर बोट ओ दस थान 'लाइफ ज्याकेट'लगायतके उद्धार सामग्री नगरपालिकासे उपलब्ध कराइल सशस्त्र प्रहरी बल नं ३५ शैलेश्वरी गणके गणपति सशस्त्र प्रहरी उपरीक्षक प्रेमप्रकाश सिग्देल जानकारी डेलै ।

उहाँ उक्त सामग्री पुर्नबासमे रहल सशस्त्र प्रहरी बलके बिओपीहे हस्तान्तरण करल बटैलै । ओस्टके, सशस्त्र प्रहरी बल नं ७ वैद्यनाथ बाहिनी अत्तरियासे मङ्गरके पुर्नबास नगरपालिकामे सीमावासीसित अन्तक्रियासमेत करले बा । कार्यक्रममे स्थानीय, जनप्रतिनिधि, सुरक्षा निकाय तथा सरोकारवालाबिच सीमा क्षेत्रमे डेखगैल समस्या, लागुऔषध नियन्त्रण, तस्करी, मलखाद अभाव, सीमा विवाद तथा विपद् व्यवस्थापनके विषयमे छलफल हुइल सशस्त्र प्रहरी बल वैद्यनाथ बाहिनी जनैले बा ।

स्थानीयसे भारतसे घरायसी प्रायोजनके लाग सर्वसाधारण नागरिकसे लन्ना सामान्य सामानमे ढेर दुःख नैडेहे पर्ना धारणा राखल रहिट । अखाद्य वस्तु तथा तस्करीजन्य सामग्री हो या नैहो छुट्याके किल कारबाही कैना समेत उहाँहुक्रे माग करले बटै ।

स्थानीय बजार नै बन्द हुइना अवस्था सृजना हुइल बटैटी नेपालमे खोर ओ भारतसे मुर्गी लन्ना जैसिन गतिविधिमे नियन्त्रण कैना सशस्त्र प्रहरी जोड डेहे पर्ना सुझाव डेले बटै । ओस्टके लागुऔषध नियन्त्रणमे जनशक्ति व्यवस्थापन कैके प्रभावकारी बनैना आग्रह करले बटै ।

सशस्त्र प्रहरी *(बाँकी ३ पेजमे)*

गेटास्थित स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालयमे उपकुलपति ओ रजिष्ट्रार नियुक्त

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ३१ असार । कैलालीके गेटास्थित सहिद दशरथचन्द स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालयमे उपकुलपति ओ रजिष्ट्रार नियुक्त करल बा ।

सिफारिस समितिके संयोजक प्रा. डा. जयराज अवस्थी सहकुलपति तथा सभाध्यक्ष एवं शिक्षा तथा खेलकुदमन्त्री सस्मित पोखरेलमार्फत सभामे सिलबन्दीमे रहल नाउँ सहितके प्रतिवेदन पेश करल रहिट ।

सभामे सहकुलपति तथा सभाध्यक्ष पोखरेल सिलबन्दीमे सिफारिस हुइल नाउँ वाचन कैटी योग्यताक्रममे पहिल नम्बरमे रहल प्रा. डा. सुनिलकुमार जोशीहे उपकुलपति तथा डा. भीमबहादुर चन्दहे रजिष्ट्रार नियुक्त करल जानकारी डेलै ।

मन्त्री पोखरेल १० जाने मेडिकल क्षेत्रके विज्ञसे करल मूल्याङ्कनके आधारमे स्वच्छ, निष्पक्ष ओ पारदर्शी प्रक्रियामार्फत योग्यताक्रम निर्धारण कैके सिफारिस करल बटैलै । उहाँ नवनियुक्त पदाधिकारीके नेतृत्वमे विश्वविद्यालयमे इहे बरससे पठनपाठनसहितके शैक्षिक तथा प्रशासनिक कार्य प्रारम्भ हुइना विश्वास व्यक्त करल रहिट ।

नवनियुक्त उपकुलपति प्रा. डा. सुनिलकुमार जोशी 'इन्जुरी प्रिभेन्सन एन्ड सेफ्टी प्रोमोसन' विषयमे विनायक मिसन विश्वविद्यालयसे विद्यावारिधि करले बटै । उहाँ टमान स्वदेशी तथा विदेशी विश्वविद्यालयमे प्राध्यापकके रूपमे कार्यरत रहनाके साथे इहे विश्वविद्यालयके संस्थापक कुलपतिके रूपमे फेन जिम्मेवारी सम्हारसेकल बटै ।

अक्सफोर्ड विश्वविद्यालयके विभागीय सदस्यके रूपमे समेत कार्य करल जोशी एमडी, एमफिल, पिएचडी, पिजिडिडी ओ एफआरएसपिएचलगायत शैक्षिक उपाधि हासिल *(बाँकी ४ पेजमे)*

कृषि उत्पादन वृद्धि गरौं, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित गरौं

- कृषि पेशाको सम्मान र प्रवर्द्धन गरौं,
- आधुनिक प्रविधिको प्रयोग गरी धान उत्पादन वृद्धि गरौं,
- उन्नत बीउ, मल तथा सिँचाइको उचित प्रयोग गरौं,
- जमिनको सदुपयोग गरी खेतीयोग्य भूमि संरक्षण गरौं,
- कृषि उत्पादनलाई प्राथमिकता दिई कृषकलाई प्रोत्साहन गरौं,
- विषादीको सुरक्षित र सन्तुलित प्रयोग गरौं,
- स्थानीय जातका धानहरुको संरक्षण र प्रवर्द्धन गरौं,
- व्यवसायिक कृषि प्रणालीमार्फत कृषिमा आत्मनिर्भर बनौं।

खाद्यान्नको उत्पादन, वितरण, पहुँच र दिगोपना सुनिश्चित गरौं।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : राम दहित (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : दिलबहादुर चौधरी
पहुना सम्पादक : कृष्णराज सर्वहारी
व्यवस्थापन सल्लाहकार : राजकुमार चौधरी
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

कञ्चनपुरमे डेङ्गुके जोखिम

पहुरा समाचारदाता

कञ्चनपुर, ३१ असार । कञ्चनपुरमे चालु आर्थिक बरसके पाछेक छ महिनामे किल जिल्लामे २८ जनहनमे डेङ्गु सङ्क्रमण पुष्टि हुइल बा ।

सुदूरपश्चिम प्रदेशके नौ जिल्लामध्ये सबसे ढेर सङ्क्रमित कञ्चनपुरमे भेटलपाछे स्वास्थ्य निकायसे सतर्कता अपनैना ओ समुदायस्तरमे रोकथामके गतिविधिहे प्रभावकारी बनैना आग्रह करले बटै ।

स्वास्थ्य कार्यालयके औलो निरीक्षक तथा कीटजन्य रोग सम्पर्क व्यक्ति (फोकल पर्सन) सिद्धराज भट्टके अनुसार जनवरीमे पाँच, फेब्रुअरीमे छ, मार्चमे पाँच, अप्रिलमे सात, मेमे दुई ओ जुनमे तीन जाने सहित २८ जनहनमे डेङ्गु सङ्क्रमण पुष्टि हुइल हो ।

ओहकान अनुसार इहे अवधिमे सुदूरपश्चिम प्रदेशभर कुल ७० जनहनमे सङ्क्रमण डेखल हो । जेम्ने कञ्चनपुरपाछे अछाममे १३, कैलालीमे १०, डडेल्धुरामे आठ, बझाङमे छ, डोटीमे तीन तथा दार्चुला ओ बैतडीमे एक-एक जनहनमे सङ्क्रमित फेला परल बटै ।

डेङ्गु 'एडिस एजिप्टाई' ओ 'एडिस एल्बोपिक्टस' प्रजातिके सङ्क्रमित मच्छरीनके कटाइसे सर्ना भाइरल रोग हो । इ मच्छर प्रायः सफा ओ जमल पानीमे अण्डा पर्ना तथा दिनके ढेर सक्रिय रहना हुइल ओरसे घर, विद्यालय, कार्यालय ओ सार्वजनिकस्थल आँजरपाँजर पानी जमे नैडेना विशेष ध्यान डेना आवश्यक रहल भट्ट बटैलै ।

"डेङ्गुके चार प्रकारके विषाणु रहठै", भट्ट कहलै, "एकचो लागल प्रकारके डेङ्गु पुनः नैलग्ना हुइलेसे फेन औरे प्रकारके सङ्क्रमण हुइ सेकठ, डोसरचो हुइना सङ्क्रमण आउर जटिल ओ जोखिमपूर्ण हुइना हुइल ओरसे थप सचेत रहना आवश्यक रहल बा ।"

डेङ्गुके सङ्क्रमणकाल सामान्यतया तीनसे १० दिनसम रहना करठ् । सङ्क्रमण हुइलपाछे १०२ से १०३ डिग्री फरेनहाइटसम जुरी अइना, कपार पिरैना, आँखीक गेडी बठैना, पेट तथा जोर्नी बठैना, वाकवाकी लग्ना, शरीरमे लाल बिमिरा देखजैना तथा गम्भीर अवस्थामे आन्तरिक वा बाह्य रक्तस्रावसमेत हुइ सेक्ना स्वास्थ्य कार्यालय जनैले बा ।

शुक्लाफाँटा नगरपालिकाके स्वास्थ्य शाखा प्रमुख परमानन्द भट्ट सङ्क्रमित व्यक्तिके समयमे परीक्षण ओ उपचार करे सेक्लेसे डेङ्गुसे हुइना मृत्युदर दुई प्रतिशतसे कममे सीमित करे सेकजैना बटैलै । ओहकान अनुसार शिशु, गर्भवती, ज्येष्ठ नागरिक, मोटोपन रहल व्यक्ति, दीर्घरोगी तथा अत्यधिक रक्तस्राव हुइल बिरामी डेङ्गुके उच्च जोखिममे परठ् ।

उहाँ जुरी कम करक लाग सिटामोल प्रयोग करे सेकजैना मने आइबुप्रोफेन ओ एस्पिरिन जैसिन औषधि चिकित्सकके सल्लाहबिना कदापि प्रयोग नैकैना सुझाव डेलै । एक एडिस मच्छरके आयु करिब ३० दिन रहठ् । उ अवधिमे एक पोथी मच्छर पाँच सयसे एक हजारसम अण्डा पारे सेक्ठै । सङ्क्रमित मच्छरीनके अण्डासे जन्मना मच्छर फेन डेङ्गुके विषाणु रहे सेक्ठै ।

स्वास्थ्यकर्मी कृष्णराज जोशीके अनुसार डेङ्गु सरुइया मच्छरीनके अण्डा पानी नैरहलेसे फेन महिनौँसम जीवित रहे सेक्ठै । ओहेमारे पानी जमे नैडेना नै यकर नियन्त्रणके सबसे प्रभावकारी उपाय हो । नेपालमे डेङ्गु पहिलचो २०६१ साल (सन् २००४) मे एक विदेशी नागरिकमे पुष्टि हुइल रहे । ओट्ठनसे इ सङ्क्रमण हरेक बरस टमान जिल्लामे फैलटी रहल बा ।

हाल जलवायु परिवर्तन, तीव्र सहरीकरण, कमजोर रोग निगरानी प्रणाली, समयमे परीक्षणके अभाव, बसाइँसराइ ओ समुदायके न्यून सहभागिताहे डेङ्गु नियन्त्रणके प्रमुख चुनौतीके रूपमे औँल्याइल बा ।

कञ्चनपुरके नौ पालिकामे डेङ्गु सर्ना मच्छरीनके लार्भा खोजी तथा नष्ट कैना (सर्च एन्ड डिस्ट्रोय) कार्यक्रमके लाग आवश्यक बजेटके व्यवस्था होसेकल औलो निरीक्षक भट्ट जानकारी डेलै । उ अभियानअन्तर्गत लार्भा नष्ट कैनासँगे सरसफाइ, जनचेतना अभिवृद्धि, समुदाय परिचालन तथा छलफल ओ गोष्ठी सञ्चालन कैना स्वास्थ्य कार्यालय जनैले बा ।

स्वास्थ्यकर्मी गमला, फूलदानी, ड्रम, टायर ओ बट्टा नियमित सफा कैना, खानेपानीके ट्याङ्की छोपके ढर्ना, झ्यालढोकामे जाली लगैना ओ दिनके सुटेबर फेन झुलके प्रयोग कैना सर्वसाधारणमे अपिल करल बावै ।

डिवश ड्राईभिङ सेन्टर

दक्ष चालक बन्ना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनेन्के ।

सीप सिकी, स्वरोजगार बनी
विद्यार्थी ओ ग्रुपमे अउईयाहुक्नहे विशेष छुटसहित...
हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुक्नसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।

नोट: साथे दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठ्ना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्कु सिकारु विद्यार्थीहुक्नहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।

धनगढी, चटकपुर कैलाली फोनं. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

पाठकवर्गसे अनुरोध

प्रिय पाठकवर्ग, पहुरा मिडिया प्रालिसे सन्चालित पहुरा दैनिक ओ पहुरा अनलाइनमे हमार सकेसम थारुपन लन्ना कोशिश जारी बा । विचार पेजमे थारु लगायट अन्य जनजातिनके आवाज हमार पहिला प्राथमिकता हो । अपन मनेम लागल उकुसमुकुस बाट अपनेनके फे लिख्के पठाइ सेक्ठि । अपनेक विचार लम्मा हुइ परठ कना नइ हो । आइ कलम पक्रि, अपन मनक बाट ढेरसे ढेन जनहन बाँटि । पहुरा अनलाइनमार्फत अपन बाट संसार भर पुगाइ । *-सम्पादक*

सूचनाके हक : लोकतन्त्रके मेरुदण्ड

विचार
डा. लक्ष्मणदत्त पन्त

राज्यके नीति ओ योजना, सार्वजनिक खर्च ओ सेवा प्रवाह तथा सार्वजनिक निकायके कार्यसम्पादनसम्बन्धी सूचना नागरिकके पहुँचमे रहिके किल लोकतन्त्र बलगर हुइ । सूचना नागरिकहे केवल राज्यके कामकारबाहीबारे जानकारी डेना साधनके रूपमे किल नाइहो, शासनमे सहभागिता बढैना, सार्वजनिक निकायहे जवाफदेही बनैना, भ्रष्टाचार नियन्त्रण करना तथा सार्वजनिक स्रोतसाधनके सदुपयोग सुनिश्चित करना प्रभावकारी माध्यमके रूपमे लेहे परठ । भ्रस्टाचार ओ राज्यके साधनस्रोतके दुरुपयोग अन्त्यके लाग सूचनाके हकहे नागरिक सशक्तीकरण ओ सचेतना दुनुके लाग उपयोग करना वाञ्छनीय बा ।

सब मेरिक सूचना पूर्ण रूपमे खुला हुइ परठ कना धारणा व्यावहारिक ओ कानुनी दुनु दृष्टिसे उपयुक्त नैहुइना सन्दर्भमे देशके सार्वभौमिकता, राष्ट्रिय सुरक्षा, कूटनीतिक सम्बन्ध, गुप्तचर संयन्त्र, संवेदनशील पूर्वाधार तथा नागरिकके व्यक्तिगत गोपनीयतासँग सम्बन्धित सूचना अनियन्त्रित रूपमे सार्वजनिक कैके राष्ट्रिय हितमे प्रतिकूल असर परे सेक्ना विषयमे राज्य ओ नागरिक संवेदनशील हुइना आवश्यक बा । मानव अधिकारके विश्वव्यापी मान्यतामे अडिग लोकतान्त्रिक शासनप्रणालीके मुख्य चुनौती सूचनाहे लुकैना वा सब सूचना खुला नैकरना, नागरिकके थाहा पैना अधिकार ओ राज्यसे संरक्षण करेपरना संवेदनशील सूचनाबिच सन्तुलन कायम करना हो ।

नेपालके संविधानसे धारा २७ मे सूचनाके हकहे सुनिश्चित करटि प्रत्येक नागरिकहे सार्वजनिक महत्वके विषयमे सार्वजनिक निकायसँग सूचना मग्ना ओ प्राप्त करना अधिकार प्रदान करल बा । यी प्रावधानसे राज्यके स्वामित्वमे रहल सूचना नागरिकके सम्पत्ति हो कना लोकतान्त्रिक मान्यताहे स्थापित करटि एकओर सार्वजनिक निकायहे सूचना उपलब्ध करैना दायित्व तोकल बा । अस्टेक राज्यके निर्णय प्रक्रिया पारदर्शी बनैना ओ राज्यप्रति नागरिकके विश्वास अभिवृद्धि करना महत्वपूर्ण योगदान पुगल बा । सार्वजनिक हितमे आवश्यक नैहोके राष्ट्रिय सुरक्षा, सार्वभौमिकता, न्यायिक प्रक्रिया, व्यक्तिगत गोपनीयता वा अन्य कानुनी रूपमे संरक्षित हितमे प्रत्यक्ष क्षति पुग्न सूचना सार्वजनिक करना राज्य बाध्य नैहुइना विषय सबजे बुझे परठ । संविधानमे उल्लेख सूचनाके हकसे पारदर्शिता ओ गोपनीयताहे एकऔरेक विरोधी अवधारणा नैहोके पूरक सिद्धान्तके रूपमे स्वीकार करल डेखाइठ ।

लोकतान्त्रिक शासनप्रणालीमे सूचना सार्वजनिक करना रणनीति जत्रा महत्वपूर्ण बा, ओत्रे महत्वपूर्ण संवेदनशील ओ गोप्य सूचनाके संरक्षण । सूचनाके हकके अर्थ राज्यसँग रहल सब मेरिक सूचना बिनाकौनो सीमा सार्वजनिक करेपरठ कना नाइहो । लोकतन्त्रमे पारदर्शिता ओ गोपनीयता परस्पर पूरक सिद्धान्त रहल ओरसे सूचना व्यवस्थापनके मूल आधार 'अधिकतम खुलापन ओ न्यूनतम आवश्यक गोपनीयता' हुइ परठ ।

मानव अधिकारमे सूचनाके हक

नेपालसे नागरिक तथा राजनीतिक अधिकारसम्बन्धी अन्तर्राष्ट्रिय महासन्धि अनुमोदन कैसेकल विषय फेन ओत्रे सान्दर्भिक बा । यी महासन्धिके धारा १९ से प्रत्येक व्यक्तिहे विचार तथा अभिव्यक्ति स्वतन्त्रताके अधिकार प्रदान करटि सूचना मग्ना, प्राप्त करना ओ सम्प्रेषण करना स्वतन्त्रताहे मानव अधिकारके रूपमे स्थापित करल बा । यी महासन्धिके धारा १९ से सूचना कौनो फेन माध्यमसे, सीमाके परवाह नैकैके आदानप्रदान करे सेक्ना अधिकारके संरक्षण करलेसे फेन यी स्वतन्त्रताहे पूर्ण रूपमे असीमित बनाइल भर नाइहो । यी अधिकारसँग जिम्मेवारी फेन जोरना सूचना प्रवाहमे लगैना कौनो फेन प्रतिबन्ध कानुनसे निर्धारित, आवश्यक तथा अनुपातिक हुइपरना व्यवस्था करल बा ।

राष्ट्रिय सुरक्षा, सार्वजनिक हित, सार्वजनिक स्वास्थ्य, सार्वजनिक नैतिकता तथा अन्य व्यक्तिके अधिकार ओ प्रतिष्ठाके संरक्षणके लाग किल सीमित अवस्थामे सूचना प्रवाहमे कानुनी प्रतिबन्ध लगाइ सेक्जाइ । यिहिनसे अन्तर्राष्ट्रिय समुदायसे फेन पारदर्शिता ओ राष्ट्रिय हितबिच सन्तुलन कायम करेपरना आवश्यकता स्वीकार करल स्पष्ट हुइठ ।

नेपालमे सूचनाके हकसम्बन्धी कानुनी संरक्षण बलगर रलेसे फेन यकर प्रभावकारी कार्यान्वयन चुनौतीपूर्ण डेखाइठ । देशभरके अधिकतम सार्वजनिक निकायमे सूचनाहे अभिन फेन अधिकारके रूपमे नाइकि, प्रशासनिक विवेकके रूपमे हेरना प्रवृत्ति कायम बा । कुछ अवस्थामे सार्वजनिक करेपरना सूचना गोप्य रलेसे फेन सार्वजनिक करे नैहुइना संवेदनशील सूचनाके व्यवस्थापनसमेत विवेकपूर्ण नैडेखाइठ । फलस्वरूप यिहिनसे सार्वजनिक निकायके पारदर्शितामे अवरोध सिर्जना करटि राष्ट्रिय हितसँग सम्बन्धित सूचनाके संरक्षणमे समेत बाधा उत्पन्न करल बा ।

> नेपालके संविधानसे धारा २७ मे सूचनाके हकहे सुनिश्चित करटि प्रत्येक नागरिकहे सार्वजनिक महत्वके विषयमे सार्वजनिक निकायसँग सूचना मग्ना ओ प्राप्त करना अधिकार प्रदान करल बा । यी प्रावधानसे राज्यके स्वामित्वमे रहल सूचना नागरिकके सम्पत्ति हो कना लोकतान्त्रिक मान्यताहे स्थापित करटि एकओर सार्वजनिक निकायहे सूचना उपलब्ध करैना दायित्व तोकल बा । अस्टेक राज्यके निर्णय प्रक्रिया पारदर्शी बनैना ओ राज्यप्रति नागरिकके विश्वास अभिवृद्धि करना महत्वपूर्ण योगदान पुगल बा । सार्वजनिक हितमे आवश्यक नैहोके राष्ट्रिय सुरक्षा, सार्वभौमिकता, न्यायिक प्रक्रिया, व्यक्तिगत गोपनीयता वा अन्य कानुनी रूपमे संरक्षित हितमे प्रत्यक्ष क्षति पुग्न सूचना सार्वजनिक करना राज्य बाध्य नैहुइना विषय सबजे बुझे परठ । संविधानमे उल्लेख सूचनाके हकसे पारदर्शिता ओ गोपनीयताहे एकऔरेक विरोधी अवधारणा नैहोके पूरक सिद्धान्तके रूपमे स्वीकार करल डेखाइठ ।लोकतान्त्रिक शासनप्रणालीमे सूचना सार्वजनिक करना रणनीति जत्रा महत्वपूर्ण बा, ओत्रे महत्वपूर्ण संवेदनशील ओ गोप्य सूचनाके संरक्षण ।

सुशासनके सवाल

सूचनाके हकके मूल लक्ष्य राज्यके संवेदनशील विषय सार्वजनिक करना नाइहो, बरु सार्वजनिक निर्णयहे पारदर्शी बनैना हो । सरकारसे बजेट कहाँ खर्च करल, विकास आयोजना काहे ढिला हुइल, सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया कैसिक सम्पन्न हुइल, सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम कैसिक सञ्चालन हुइल, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगारी, लैंगिक समानता, महिला तथा अल्पसंख्यकके अधिकार, समावेशीकरण, सहभागितामूलक विकासमे राज्य का उपलब्धि हासिल करल, स्थानीय सरकारसे सार्वजनिक स्रोत कैसिक परिचालन करले बा जैसिन विषयमे नागरिकसे सरल तरिकासे सूचना पाइ परठ ।

अइसिन सूचनासे नागरिकहे सरकारउप्पर निगरानी करना, सार्वजनिक नीति सुधारके लाग सुझाव डेना ओ लोकतान्त्रिक प्रक्रियामे सक्रिय सहभागिता जनैना सक्षम बनाइठ । सूचनाके हकहे कानुनी अधिकारके रूपमे किल नाइकि, सुशासनके आधारभूत उपकरणके रूपमे बुझ्न आवश्यक बा । यकर लाग सूचना चाहल अत्यावश्यक पूर्वाधारके सुरक्षा प्रणाली, गोप्य कूटनीतिक वार्ता, चलल अनुसन्धानके प्रमाण तथा व्यक्तिगत गोपनीयतासँग सम्बन्धित सूचनाके गोपनीयता राज्यके स्वार्थके लाग किल नैहोके समग्र जनहितके संरक्षणके लाग आवश्यक हुइ सेकि । अइसिन सूचना अनधिकृत रूपसे सार्वजनिक कैके राज्य ओ नागरिक दुनु जोखिममे परेसेकि । सूचनाके हकसम्बन्धी ऐनसे सार्वजनिक निकायसँग रहल टमान जैसिन सूचना नागरिकहे उपलब्ध करइपरना दायित्वबोध करैना सब मेरिक सूचना गोप्य ढरे मिल्ना व्यवस्था करल नैहो ।

बजेट ओ विकास आयोजना, सार्वजनिक खरिद, वातावरणीय प्रभाव मूल्यांकन, स्थानीय तहके निर्णय, सार्वजनिक सेवा प्रवाह, कर्मचारी नियुक्तिके प्रक्रिया, सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम, स्वास्थ्य तथा शिक्षासम्बन्धी सेवा, विपत् व्यवस्थापन, राहत वितरण तथा सार्वजनिक स्रोतके उपयोग जैसिन विषय सामान्यतया सार्वजनिक हुइपरना सूचना हो । अइसिन सूचना सार्वजनिक संस्थासे सक्रिय रूपमे सार्वजनिक होके नागरिक हलि निवेदन डेके सूचना मागेपरना बाध्यता फेन कम हुइठै ।

सार्वजनिक निकायसे अपन नीति, निर्णय, बजेट, खर्च, सम्झौता, वार्षिक प्रतिवेदन तथा सेवासम्बन्धी विवरणलगायतके सूचना नियमित रूपमे आधिकारिक सामाजिक सञ्जाल, वेबसाइट, डिजिटल पोर्टलसे उपलब्ध कराके पारदर्शिता बहनाके साथे सूचना मग्ना प्रक्रिया सरल होके भ्रम फैलल सम्भावना फेन घट्ठ ।

औरेओर सूचना लुकैना प्रवृत्तिसे भ्रामक सूचना फैलन सहयोग करठ । गोपनीयता राष्ट्रिय सुरक्षा, न्याय, कूटनीतिक सम्बन्ध ओ व्यक्तिगत अधिकारके संरक्षण करना माध्यम रहल ओरसे वास्तविक सार्वजनिक हितके संरक्षण हुइलेसे किल गोपनीयताके औचित्य रहठ । ओस्टेक पारदर्शिता नागरिकहे राज्यके निर्णयबारे विश्वसनीय सूचना उपलब्ध करैना माध्यम रहल ओरसे यी दुईबिच सन्तुलन कायम करे सेक्लेसे किल नागरिक सूचनाके हकके सही उपभोग करे सेक्हि । यी सन्तुलनहे संस्थागत रूपमे कार्यान्वयन करना कानुनी स्पष्टता, सक्षम सार्वजनिक संस्था, दक्ष सूचना अधिकारी, सुरक्षित अभिलेख व्यवस्थापन ओ स्वतन्त्र नागरिक निगरानी आवश्यक बा ।

नागरिकसे सूचना प्राप्त करना किल सबथोक नाइहो, प्राप्त सूचनाके जिम्मेवारीपूर्वक उपयोग करना फेन ओत्रे महत्वपूर्ण रहल ओरसे सार्वजनिक निकायसे प्राप्त सूचनाहे सन्दर्भसे अलग कैके गलत अर्थ लगैना, अपुष्ट दाबी करना वा समाजमे भ्रम सिर्जना करना उद्देश्यसे प्रयोग करे नैपरठ । सूचनाके हक मूलतः सीमान्तकृत, विपन्न तथा वञ्चित समुदायके लाग सामाजिक सशक्तीकरण ओ राजनीतिक मूलप्रवाहीकरणके प्रभावकारी माध्यम बने सेकि ।

देशभर टमान नागरिक अभिन फेन राज्यसे उपलब्ध कराइल सेवा, सुविधा ओ अपन मौलिक हकबारे अनभिज्ञ बा । ग्रामीण क्षेत्र, दुर्गम बस्ती, मधेशी ओ दलित समुदाय, आदिवासी जनजाति, महिला, अपांगता रहल व्यक्ति, ज्येष्ठ नागरिक तथा आर्थिक रूपमे कमजोर वर्गके नागरिक सूचना सचेतनाके अभावमे रोजगारी, सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा ओ भूमि अधिकार, कृषि अनुदान, छात्रवृत्ति, विपत् राहत तथा विकास योजनासे वञ्चित हुइटि आइल बा ।

नागरिकसे सूचनासम्बन्धी हकके जिम्मेवारीपूर्वक प्रयोग, सार्वजनिक निकायसे सूचना पारदर्शिता, सञ्चारमाध्यमसे तथ्यमे आधारित पत्रकारिताहे प्राथमिकता, नियामक निकायसे पारदर्शिता तथा गोपनीयताबिच सन्तुलन कायम करे सेक्लेसे किल स्वस्थ सूचना चक्र स्थापना हुइ सेकि ।

सूचना शासनके लाग आयोग सूचनाके हकहे प्रभावकारी रूपमे कार्यान्वयन करना संवैधानिक संरचना प्रचलनमे रलेसे फेन यकर सफल कार्यान्वयन संस्थागत क्षमता, राजनीतिक प्रतिबद्धता ओ नागरिक चेतनाउप्पर भर परठ । राष्ट्रिय सूचना आयोगहे केवल सूचना नैडेहल विषयमे उजुरी सुनुवाइ करना निकायके रूपमे किल सीमित नैरहिके परिवर्तित राजनीतिक सन्दर्भमे सुशासनके लाग बहुल नागरिक माग, बदलल सूचना प्रविधि, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सामाजिक सञ्जाल, साइबर सुरक्षा ओ भ्रामक सूचनाके तीव्र विस्तारहे दृष्टिगत करटि नेपालके समग्र सूचना शासनहे मार्गदर्शन करना अग्रणी संस्थाके रूपम स्थापित करना आवश्यक बा ।

सूचनाके हकहे केवल कानुनी अधिकारके रूपमे सीमित नैढैके सुशासन, सामाजिक न्याय, उत्तरदायित्व ओ लोकतान्त्रिक सहभागिताके मेरुदण्डके रूपमे अभ्यास करे परठ । नागरिकसे सूचनाके हकहे जिम्मेवारीपूर्वक प्रयोग करना, सार्वजनिक निकायसे अधिकतम सूचना स्वप्रकाशन ओ संवेदनशील सूचनाके कानुनसम्मत संरक्षण करना, राष्ट्रिय सूचना आयोगसे प्रभावकारी नियमन ओ जनचेतना विस्तार करे सेक्लेसे किल यी संयन्त्रसे सुशासनमार्फत समृद्धिके डगर तय करे सेक्जाइ ।

साभारः गोरखापत्र दैनिकसे

जलविद्युत्‌से फेरल राहुघाट : दुर्गमसे समृद्धिओरके यात्रा

म्याग्दी, ३१ असार । धौलागिरी आइसफलसे बहना राहुघाट नदी आब केवल हिमालके पानी किल बहना नदी नाइहो यिहे खोला किनारमे निर्माण हुइल जलविद्युत आयोजनासे उत्पादन करल ऊर्जासँगे सडक, पुल, डिजिटल शिक्षा, रोजगारी ओ स्थानीय अर्थतन्त्रके विस्तारसे वर्षौंसे दुर्गम मानल बस्तीहे विकासके मूलधारमे जोरना राहुघाटहे समृद्धिके कोरिडोरमे रूपान्तरण करल बा ।

कुछ वर्ष आघेसम सदरमुकाम बेनीसे दुई दिन पैदल नेंगे परना गाउँमे अब्बे सडक सुविधा पुगल बा । छोट खोल्सामे पुल बनल बा । स्थानीयहुके उत्पादन करल कृषि उपज गाउँमे बिक्री हुइ लागल बा । सिप अनुसारके छोटओट रोजगरी पैले बटैं । यी सब अवसरके ढोका यी क्षेत्रमे निर्माण हुइल जलविद्युत् आयोजनासे डेहल हो ।

कौनो समय भूगोलके विकटतासे राहुघाट खोला वारपारके दर्जनौं बस्ती दुर्गम रहे, नेंग्ना आउजाउ करना मुस्किल रहे रघुगंगा गाउँपालिकाके अध्यक्ष भवबहादुर भण्डारी कलैं, ''गाउँपालिकासे प्रवाह हुइना दैनिक प्रशासनिक सेवा लेहे फेन स्थानीय घन्टौं नेंग्ना बाध्य रहैं । मने अब्बे राहुघाट कोरिडोरमे निर्माण हुइल जलविद्युत् आयोजनासे बिजुली उत्पादनसँगे सडक, पुलसे बस्ती जोरल बा । रोजगारी ओ स्थानीय अर्थतन्त्रके नयाँ अध्याय सुरु हुइल बा ।''

राहुघाट कोरिडेरमे निर्मित आयोजनासे अब्बे १६८ मेगावाट क्षमताके ऊर्जा उत्पादन हुइ लागल बा । थप कम्तीमे ४६ मेगावाट विधुत हलि थपना क्रममे बा । जलविद्युत्‌से केवल बिजुली किल बरल नैहो, वर्षौंसे विकास परखल दुर्गम गाउँमे सडकके सुविधा, आधुनिक शिक्षा ओ नगद आम्दानीसे सुविस्ता पूर्ण जीवन ओ अवसर भित्रैले बटैं ।

कुछ वर्ष आघेसम सामान्य प्रशासनिक सिफारिस लेना वा स्वास्थ्य उपचारके लाग घण्टौंके जोखिमपूर्ण

पैदल यात्रा करेपरना रघुगंगा गाउँपालिकाके बासिन्दाका लाग अब्बे अजिंगर ओ तिप्ल्याङ डाँडा भीर नंघना बनल सडक ओ पक्की पुलसे सिंहदरबारके जग गाउँमे नन्ले बा ।

आयोजनासे सामाजिक उत्तरदायित्व अन्तर्गत विद्यालयमे डिजिटल शिक्षाके सुरुवात, खेलमैदान निर्माण ओ स्थानीय युवाहे गाउँमे रोजगारीके अवसर डेके वैदेशिक पलायन रोक्न भारी मद्दत पुगाइल पालिका अध्यक्ष भण्डारी बटैलैं ।

विद्युत विकाससे नानल अवसरहे स्थानीय सेयर स्वामित्व, राष्ट्रिय ग्रिडके अनियमितता ओ वातावरणीय संवेदनशीलता जैसिन चुनौतीहे सही व्यवस्थापन करे सेक्लेसे राहुघाट कोरिडोर हिमाली ग्रामीण रूपान्तरणके एक उत्कृष्ट ओ सफल राष्ट्रिय नमुना बनल बा ।

राहुघाट खोलामे अब्बे ४८.५ मेगावाटके माथिल्लो राहुघाट, ३५.५ मेगावाटके चिम खोला-राहुघाट-मंगले, २१.३ मेगावाटके भारी खोला, २२.५ मेगावाटके माथिल्लो भारी खोला 'ए' लगायतके आयोजना सञ्चालनमे बा । निर्माणाधीन ४० मेगावाट क्षमताके राहुघाट जलविद्युत् आयोजना सम्पन्न हुइलपाछे कोरिडोरके कुल उत्पादन क्षमता १६८ मेगावाट पुगि ।

राहुघाट खोलामे निर्माण सम्पन्न ओ निर्माणाधीन आयोजनाबाहेक थप दुई ठो जलविद्युत् आयोजना थपना क्रममे रहल बा । गाउँपालिका अनुसार धौलागिरि आइसफल पदमार्गमे परना कछुवा ओढारमुनि ड्याम बनैना मेरिक ८.३ मेगावाट क्षमताके सुपर अपर भारी खोला तथा लवरखोलामे ६.७ मेगावाटके लवर खोला जलविद्युत् आयोजना निर्माणके लाग वातावरणीय प्रभाव मूल्यांकनके प्रक्रिया आगे बहल बा ।

रघुगंगा गाउँपालिकाके ३ से ८ नम्बर वडासम राहुघाट खोलासे छुट्याइल दर्जनौं बस्ती अब्बे जलविद्युत् आयोजनासे बनाइल पहुँचमार्ग ओ ट्रस्ट ब्रिजमार्फत जोरल बा । बुक्लमे राहुघाट जलविद्युत् आयोजनासे निर्माण करल ट्रस्ट ब्रिजसे भिं, पाखापानी, कोटगाउँ, ठाडाखानी ओ कुइनेका बासिन्दाहे गाउँपालिका केन्द्र मौवाफाँटसँग प्रत्यक्ष जोरले बा ।

गाउँपालिकाके अध्यक्ष भण्डारी कलैं, "जलविद्युत् आयोजना नैआइल पालिकाके बजेट ओ क्षमतासे अत्रा हलि यी दुर्गम बस्तीहे सडक ओ पुलसे जोरना सम्भव नैरहे । उहाँहुक्रे बिजुली लैगिलैं, मने गाउँमे अवसर फेन नन्ले बटैं ।"

दग्नामके अजिंगर भीर, तिप्ल्याङडाँडाके अक्करे भीरजैसिन कठिन भूभाग छिचोल्टि खोलल सडकसे अब्बे गाउँ-बजारके दूरी घटल बा । वर्षौंसे अलग-थलग रहल बस्ती मोटर यातायातसँग जोरल बा । जलविद्युत् आयोजनासे सामाजिक उत्तरदायित्व अन्तर्गत खर्च करेपरना रकमसे स्थानीय विद्यालयके स्वरूप फेन फेरल बा ।

आयोजनासे कुल लागतके ०.७५ प्रतिशत रकम समुदायमे खर्च करले बटैं । यिहे रकमसे सामुदायिक विद्यालयमे स्मार्ट बोर्ड जडान, कम्प्युटर, प्रिन्टर, इन्टरनेट सेवा विस्तार ओ कुछ विद्यालयमे नियमित विद्युत् आपूर्ति सम्भव हुइल बा ।

राहुघाट कोरिडोरके गाउँमे अब्बे स्तरीय भलिबल ओ बास्केटबल मैदान निर्माण हुइल बा । युवा क्लबके भवन, साउन्ड सिस्टम, आमा समूहके भवन, मन्दिर तथा सामुदायिक संरचना निर्माण हुइल बा ।

चिम खोलाके वडाध्यक्ष थकप्रसाद पाईंजा कलैं, "जलविद्युत् आयोजना आइलपाछे हम्रे बाह्रै महिना चल्न सडक किल नैपैलि, खेलमैदान, सामुदायिक भवन, मन्दिर ओ अन्य संरचना फेन बनल । खेर गैल जमिनसे मूल्य पाइल, गाउँमे नगद भित्रल । सिप अनुसारके रोजगारी पैनाके साथे स्थानीय उत्पादनके बिक्री हुइल ।"

निर्माण अवधिमे सयौं स्थानीय श्रमिक, चालक, अपरेटर, सुरक्षागार्ड तथा प्राविधिकके रूपमे काम पैलैं । कुछलोग निर्माण सामग्री ढुवानी, पसल सञ्चालन, होटल व्यवसाय ओ ठेक्कापट्टासे आम्दानी करलैं । चिम खोलाके स्थानीय शिक्षक पृथबहादुर पुनके अनुसार आयोजनासे गाउँके प्राविधिक जनशक्तिहे गाउँमे टिकैना अवसर सिर्जना करले बा ।

"चिम खोलाके किल तीन जाने हाइड्रो-इलेक्ट्रिसियन स्थायी प्रकृतिके रोजगारी पैले बटैं । औरे टमान युवा फेन टमान जिम्मेवारीमे काम पैले बटैं । पहिले वैदेशिक रोजगारीओर जैना सोच बनाइल कुछ युवा अब्बे गाउँमे अवसर डेखे लागल बटैं," पुन कलैं ।

राहुघाट कोरिडोरके अन्य वडामे फेन स्थानीय छोट-ठुला जिम्मेवारीके रोजगारी पैले बटैं । कृषि उत्पादन, ढुवानी, व्यापार ओ सेवा क्षेत्रमे नगद कारोबार बहल स्थानीय बटैठैं ।

पालिका जलविद्युत् आयोजनाहे सहज वातावरण सिर्जना करलबापत स्थानीयवासीके हितमे अधिकतम लाभ लेना आयोजनाके टमान काममे स्थानीयहे जेड्ना, कानुनसम्मत ढंगसे पालिकावासीहे शेयरके दायरामे नानल ओ आयोजनाहे सामाजिक उत्तरदायित्वके काममे परिचालन करना विषयहे प्राथमिकतामे ढरल पालिका अध्यक्ष भण्डारी बटैलैं ।

अन्तर्राष्ट्रिय

एआईके मागसे चीनके निर्यातमे उछाल

काठमाडौं, ३१ असार । कृत्रिम बौद्धिकता (एआई)सम्बन्धी उत्पादनके विश्वव्यापी माग तीव्र बनलसँगे चीनके निर्यात जुन महिनामे वार्षिक आधारमे २७ प्रतिशत वृद्धि हुइल बा । अपेक्षासे मजा मानल यी वृद्धिसे चीनके व्यापार अधिशेष फेन उल्लेखनीय रूपमे बहल बा ।

चीनके भन्सार प्रशासनके अनुसार मे महिनामे १९.४ प्रतिशत बहके निर्यात जुनमे थप तीव्र हुँइटि २७ प्रतिशत पुगल हो । आयात फेन जुनमे ३६ प्रतिशत बहल बा । यी मे महिनाके २७.४ प्रतिशत वृद्धिसे उच्च हो । विश्लेषकहुक्रे इरानसँगके द्वन्द्वके कारण विश्व बजारमे आयात लागत बहल ओरस आयातके मूल्य फेन उल्लेखनीय रूपमे बहल बा ।

जुन महिनामे चीनसे एक खर्ब २५ अर्ब ६० करोड अमेरिकी डलर बराबरके व्यापार अधिशेष हासिल करल बा । यी मे महिनाके एक खर्ब पाँच अर्ब ४० करोड डलरके तुलनामे उल्लेखनीय वृद्धि हो ।

क्यापिटल इकोनोमिक्सके चीन अर्थतन्त्र प्रमुख जुलियन इभान्स-प्रिचार्डसे एआई प्रविधिके तीव्र विस्तारके कारण सेमिकन्डक्टरके मूल्य बहना व्यापार वृद्धिके प्रमुख कारण रहल बटैलैं । उहाँक अनुसार उबाहेक फेन चिनियाँ उत्पादनप्रति अन्तर्राष्ट्रिय बजारके माग बलगर रहल डेखाइठ ।

विशेषकैके विद्युतीय सवारी साधन (इभी), सेमीकन्डक्टर, इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा अन्य प्रविधिमूलक वस्तुके निर्यातमे उल्लेखनीय वृद्धि हुइल बा । एआईके विस्तारसँगे विश्वभर सेमिकन्डक्टर ओ उच्च प्रविधियुक्त उपकरणके माग बहलओरसे चीनके उद्योग ओकर प्रत्यक्ष लाभ लेले बा ।

निर्यात क्षेत्रके मजबुतीसे लम्मा समयसे सुस्त रहल चीनके रियल स्टेट, घरेलु उपभोग ओ लगानीमे आइल कमजोरीके प्रभाव कुछ हदसम कम करना सहयोग पुगल विश्लेषण करल बा । भन्सार तथ्यांक अनुसार चालु वर्षके जनवरीसे जुनसम चीनके निर्यात वार्षिक आधारमे १७.६ प्रतिशत ओ आयात २६.६ प्रतिशत बहल बा ।

चालु आवके ११ महिनामे भित्रल २१ खर्ब २० अर्ब रेमिट्यान्स

काठमाडौं, ३१ असार । चालु आर्थिक वर्षके ११ महिनामे नेपालमे रु २१ खर्ब २० अर्ब ८० करोड बराबरके विप्रेषण भित्रल बा । नेपाल राष्ट्र बैंकसे सोम्मारके रोज सार्वजनिक करल ११ महिनाके तथ्यांकमे आधारित 'देशके वर्तमान आर्थिक तथा वित्तीय स्थिति प्रतिवेदन अनुसार' समीक्षा अवधिमे विप्रेषण आप्रवाह ३८।२ प्रतिशत वृद्धि होके २१ खर्ब २० अर्ब ८० करोड पुगल हो ।

राष्ट्र बैंकके अनुसार चालु आवके जेठमे किल रु दुई खर्ब तीन अर्ब ८९ करोड रकम रेमिट्यान्सबापत भित्रल बा । जबकि गैल आवके जेठमे भर विप्रेषण आप्रवाह रु एक खर्ब ७६ अर्ब ३२ करोड रहल रहे ।

केन्द्रीय बैंकमे समीक्षा अवधिमे अमेरिकी डलरमे विप्रेषण आप्रवाह २९।६ प्रतिशत वृद्धि होके १४ अर्ब ५९ करोड अमेरिकी डलर पुगल बा । आघेक वर्षमे भर अइसिन आप्रवाह १२.८ प्रतिशत बहल नेपाल राष्ट्र बैंक जनैले बा ।

सशस्त्र प्रहरी...

बल नेपाल नं ७ वैद्यनाथ बाहिनी मुख्यालयके बहिनीपति सशस्त्र प्रहरी नायब महानिरीक्षक दिगविजय सुवेदी कञ्चनपुरमे हाल चार सीमा सुरक्षा पोस्ट (बिओपी)मे नयाँ भवन निर्माण हुइटी रहल ओ आगामी बरस थप तीन बिओपीमे नयाँ भवन निर्माण हुइना प्रक्रिया आघे बहल जानकारी डेलै ।

उहाँ व्यक्तिगत प्रयोजनके लाग ५०० से ढेर मूल्यके सामान नैलन्ना आग्रह कैटी भोज, पूजा वा अन्य बहानामे हुइना तस्करी नियन्त्रण कैना स्पष्ट परलै ।

खराब नियतके सुरक्षाकर्मीउपर तत्काल कारबाही हुइना बटैटी किसानहे आवश्यक मल लन्ना सहजता डेना मने तस्करीमे संलग्नहे कडा कारबाही कैना बटैलै । गत बरस असारके तुलनामे इ बरस ६५ प्रतिशत राजस्व वृद्धि हुइल जानकारी डेटी पत्रकारहे पुरान तस्बिर प्रयोग नैकैना ओ आवश्यक परलेसे लावा तस्बिर मग्ना आग्रह करल रहिट । सीमा विवाद समाधानके लाग डुनु देशके प्राविधिक टोली काम करटी रहल ओ विपद् व्यवस्थापनमे पालिकासँग समन्वय कैके काम हुइटी रहल उहाँ बटैलै । साथे, विपद् स्वयंसेवक परिचालन तथा 'लुना एप' प्रणाली सञ्चालनमे लानल जानकारी डेलै ।

कार्यक्रमके पुनर्वास नगरपालिकाके प्रमुख तोयप्रसाद शर्मा सर्वसाधारणसे दैनिक उपभोगके सामान्य घरायसी सामान भारतसे लानेबर सहज वातावरण बनैना आग्रह करल रहिट । तस्करी, अखाद्य वस्तु, मदिरा तथा अन्य अवैध सामानउपर भर कडाइ करे पर्नामे उहाँ जोड डेलै । उहाँ लागुऔषध पुनर्वासके लाग गम्भीर चुनौती बनल बटैटी कुछ स्थानीय युवा यकर चपेटामे परल बटैलै ।

किसानहे मल लन्ना सहज वातावरण बनैना, जनप्रतिनिधिके सुझाव सुरक्षा निकायसे सुन्ना, वडाध्यक्षसँग नियमित समन्वय कैना फेन उहाँ सशस्त्र प्रहरीहे आग्रह करलै । सीमा क्षेत्रमे डेखल समस्या समाधानके लाग नगरपालिकासे आपन ओरसे आवश्यक पहल करटी रहल उहाँ बटैलै ।

साथे नेपाल प्रहरी ओ सशस्त्र प्रहरी विपद्‌के समयमे पुगाइल योगदानके लाग धन्यवाद व्यक्त करल रहिट ।

विपद् जोखिम न्यूनीकरणको पूर्वतयारी गरौं

- बर्षाको समयमा बाढी पहिरो तथा चट्याङ्गको जोखिम हुन सक्छ,
- सम्भावित जोखिमको मूल्यांकन गरौं, सचेत बनौं,
- जोखिमयुक्त स्थानमा नबसौं, सुरक्षित स्थानमा बसौं,
- नदि किनारा वा भिरालो जमिनमा बसोबास भएकाहरु बिशेष सतर्क रहौं,
- सम्भावित जोखिमबाट बच्न आपतकालीन पूर्वयोजना बनाऔं,
- घर परिवार र छिमेकीहरूसँग मिलेर सुरक्षित स्थानको पहिचान गरौं,
- सम्पर्क बिन्दुहरु तय गरौं, सूचना प्रणालीमा आवद्ध होऔं,
- खाद्यान्न, पानी, प्राथमिक उपचार सामग्री, टर्चलाइट र आवश्यक औषधि आदि तयारी अवस्थामा राखौं,
- प्रकोप व्यवस्थापन तालिम तथा अभ्यासमा सहभागी बनौं,
- बालबालिका, बृद्धबृद्धा र अपाङ्गता भएका व्यक्तिको सुरक्षामा ध्यान दिऔं ।

कैलारी गाउँपालिका

गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय

कैलाली

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरू

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गौं रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

डा. सुमन चौधरी

MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ९ देखि साँझ ५ बजेसम्म

धनगढी

संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.

(राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

कर्णाली प्रदेश सरकारमे सहभागी कांग्रेसके मन्त्रीहुकनसे देहल राजीनामा

पहुरा समाचारदाता

काठमाडौं, ३१ असार । नेपाली कांग्रेससे कर्णाली प्रदेश सरकारमे सहभागी मन्त्रीहुकनसे राजीनामे देहल बटै । कांग्रेस मन्त्रीहुकनसे सामूहिक राजीनामा बुझाइल सामाजिक विकास मन्त्री घनश्याम भण्डारीसे जानकारी देलै ।

'हम्रे सबजे राजीनामा बुझाइलीं, स्वीकृतिके पर्खाइमे रहब,' मन्त्री भण्डारी कहलै । कांग्रेससे उद्योग, पर्यटन, वन ओ वातावरण मन्त्री सुरेश अधिकारीसे फे आज बिहानके कांग्रेसके राजीनामा देहल बटैलै ।

'आज बिहानके क्याबिनेट बैठक रहे, उहे बैठकमे हम्रे चार जाने सामूहिक राजीनामा देली,' मन्त्री अधिकारी कहलै ।

एमाले नेता यामलाल कँडेलसे नेतृत्व करल कर्णाली प्रदेश सरकारमे कांग्रेसके चार मन्त्री रहै । आर्थिक मामिला मन्त्री राजीवविक्रम शाह, जलस्रोत मन्त्री विजया बुढा, सामाजिक विकास मन्त्री घनश्याम भण्डारी ओ उद्योग, पर्यटन, वन ओ वातावरण सुरेश अधिकारी कांग्रेससे मन्त्री रहे ।

आर्थिक मामिला मन्त्री शाह हाल स्वास्थ्य उपचारके सिलसिलामे बैंककमे बटै । उहाँसे अपन बैंकक प्रस्थान करलआघे राजीनामापत्र बुझाइ आइल बटैलै ।

हृवाट्सएपमे बाट करटी शाह कहलैं, 'म चार–पाँच दिन हुइगिल बैंकक आइल, अब्बे फे अस्पतालमे बटु । यहाँ अैनाआघे संसदीय दलके नेताहे मोर राजीनामे बुझाके आइल रहे, आज साथीहकनसे सामूहिक रुपमे बुझैटी कहटी पाटा पैली ।'

पचपन्न प्रतिशत धान रोपाइँ

गुल्मी, ३१ असार । गुल्मीमे असार अन्तिम सातासम ५५ प्रतिशत धान रोपाइँ हुइल बा । जिल्लाके भारी फाँटमे पर्याप्त वर्षा नैहुइल कारण रोपाइँ हुइसेकल नैहो । कृषि ज्ञान केन्द्र गुल्मीके सूचना अधिकारी टीकाराम न्यौपानेके अनुसार कुल खेतीयोग्य ४७ हजार २८५ हेक्टर क्षेत्रफलमध्ये छ हजार ५४१ हेक्टरमे बर्खे धान खेती हुइना करल बा ।

ओम्ने आजसम तीन हजार ५९७.५५ हेक्टरमे धान रोपाइँ हुइल बा । विगतके वर्षमे जेठ अन्तिम सातासे पर्याप्त मनसुनी वर्षा होए । अब्बे लम्मा समयसे वर्षा नैहुइल कारण समयमे रोपाइँ करल किसान नैओराइल न्यौपाने बटैलैं ।

रेसुंगा नगरपालिका–६ के कृषक प्रेम नेपाली मकै उब्जैलेसे बँदेलहे ठिक हुइना ओ पर्याप्त पानी नैपरके रोपाइँ नैहोके किसान विस्थापित हुइना अवस्था आइल गुनासो करलैं । किसानहे सिँचाइके पर्याप्त सुविधा नरहल ओ आकासे पानीके किल भर परेपरना अवस्था रहल ओरसे बिउ छिप्लेसे फेन बर्सात कुरके बठैपरना बाध्यता रहल नेपाली बटैलैं ।

कालीगण्डकी गाउँपालिकाके अर्बेनी, कनौटा, छापचौर, सत्यवती गाउँपालिकाके लिम्घा, अस्लेवा, जुहाङखैरेनी, साहाघाट, चेहेमी फाँट ओ चन्द्रकोट गाउँपालिकाके मजुवा, रूपाकोट, शान्तिपुरके फाँटमे धान खेती हुइना करल बा । मुसीकोट नगरपालिकाके तल्लाफाँट, इन्द्रगौंडा भुवाचिदी, वामीटक्सार, पौदी अरेवा, भर्मचौरलगायत बडीगाडखोलाआसपासके क्षेत्रमे धान खेती हुइना करठ ।

मालिका गाउँपालिकाके सिमलटारी, फूलबारी, सिलादी, मदाने गाउँपालिकाके सिर्सेनीस्थित सिम, अग्लुङ फेदी, भन कलेक तल्लो क्षेत्रमे धान लगैना करल बा । अस्टेक धुर्कोट गाउँपालिकाके पनाहाखोला ओ छल्दीखोलाके फाँट, इस्माके चौरासीफाँट, हुलाके, हस्तीचौरलगायत छल्दी ओ निस्तीखोलाआसपास क्षेत्रमे धान उत्पादन हुइना करल बा । गुल्मीदरबारके गरमटारी, खर्ज्याङ घोडाहाफाँट, टारीफाँट, छत्रकोटके खर्ज्याङ, मनबाग, अँगा, उल्लीखोला, बोआ फाँट, रुरुक्षेत्रके टाहाटिमलगायतके स्थानमे धानके उत्पादन हुइना करल कृषि ज्ञान केन्द्रले जनैले बा ।

जिल्लामे हंशराज, आँपझोते, झोप्री, काठे, झिनुवा, सानो भट्टे, ठुलो भट्टे, कोदे, बडियारे, लहरे बडियारे, थापचिनी, गुडुरो, ढल्लेलोई, पाखे धान, रातो मार्सी धान, मार्सी जातके धान किसान लगाइ छोरले बटैं । आयातित हाइब्रिड उपज, युएस ३१२ लगायत उन्नत जातके धान लगैना ढेर फरल ओरसे फाँटमे भारतीय बिउ लगाजाइठ ।

रोपाइँके समयमे कृषि श्रमिक अभाव

लम्मा समयपाछे मनसुन सक्रिय हुइलसँगे अर्घाखाँचीमे धान रोपाइँ तीव्रता पारल बा । रोपाइँके मुख्य समयमे कृषि श्रमिकके अभाव हुइलपाछे किसान समयमे रोपाइँ सम्पन्न करे नैसेक्ना चिन्तामे परल बटैं ।

सन्धिखर्क नगरपालिका–४, वाङ्ला हटियाके कृषक ध्रुव पाण्डे रोपाइँके समयमे कृषि श्रमिकके अभाव हुइल बटैलैं । पैसा तिरना तयार हुइलेसे समेत आवश्यक संख्यामे कृषि श्रमिक नैपाके रोपाइँ ढिला हुइल पाण्डेके कहाइ बा । उहाँक अनुसार कुछ वर्षआघेसम रोपाइँके बेला सहजे कृषि श्रमिक मिल्लेसे फेन पाछेक वर्षमे श्रमिक अभाव बहुल बा । "यिहे अवस्था रलेसे सावनसम फेन सब खेतमे रोपाइँ सम्पन्न करना कठिन हुइ," उहाँ कलैं ।

मालारानी गाउँपालिका–४, खन नुवालीटोलके कृषक यमप्रसाद घिमिरे कृषि श्रमिक अभावके कारण रोपाइँ करे नैसेकल बटैलैं । गाउँमे रहल फेन काममे व्यस्त रहल ओरसे कृषि श्रमिक पैना असहज हुइल घिमिरे बटैलैं ।

कृषि श्रमिक पैलेसे फेन ज्यालादर एकडम बहैल कृषकके कहाइ बा । मालारानी–५, आरुखोरका शोभाखर खत्री गैल वर्ष प्रतिदिन सात सय रुपियाँमे काम करना कृषि श्रमिक यी वर्ष एक हजार रुपियाँ डेलेसे समेत नैपाइल बटैलैं । कृषिक्षेत्रमे काम करना श्रमिक अन्य पेसाओर आकर्षित हुइल, बहुल सहरीकरण तथा वैदेशिक रोजगारीके कारण अभाव बहुल किसानहुकनके कहाइ बा ।

कृषिक्षेत्रमे श्रमिक अभाव ओ बहुल ज्यालादरके कारण खेतीके लागत निरन्तर बहैल कृषिक्षेत्रके जानकार बटैठैं । कृषि ज्ञान केन्द्र अर्घाखाँचीके प्रमुख बुद्धिराज घिमिरे अर्घाखाँचीमे ४० प्रतिशत रोपाइँ फेन हुइ नैसेकल बटैलैं । यी गैल वर्षके ओहे अवधिके तुलनामे कम हो ।

गेटास्थित स्वास्थ्य...

करले बटै । उहाँ चिकित्सा शिक्षासम्बन्धी टमान अन्तर्राष्ट्रिय अनुसन्धानमे सक्रिय रहल बटै ।

नवनियुक्त रजिष्ट्रार डा. भीमबहादुर चन्द विगत २५ बरससे स्वास्थ्य सेवा ओ स्वास्थ्य प्रशासन क्षेत्रमे क्रियाशील रहल बटै । उहाँ अस्पताल व्यवस्थापनमे स्नातकोत्तर तथा विद्यावारिधि हासिल करले बटै । उहीसे आघे उहाँ इहे विश्वविद्यालयके कार्यकारी परिषद् सदस्यके रूपमे कार्य करसेकल बटै कलेसे नेपाल मेडिकल काउन्सिलके कार्यकारी परिषद् सदस्यके रूपमे फेन योगदान डेले बटै ।

सहिद दशरथचन्द स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय ऐनके दफा २५ अनुसार सिफारिस समितिसे योग्यताक्रमसहित तीन जनहनके नाउँ सिफारिस कैना ओ उ मध्ये योग्यताक्रममे पहिल स्थानमे रहल उम्मेदवारहे नियुक्त कैना कानुनी व्यवस्था रहल बा ।

सरकारसे ल्यानल २०८८ सालसमके मानव अधिकारसम्बन्धी कार्ययोजन

पहुरा समाचारदाता

काठमाडौं ३१ असार । सरकारसे मानव अधिकारसम्बन्धी छैटौं राष्ट्रिय कार्ययोजना ल्यानल बा । इ कार्ययोजना आर्थिक वर्ष २०८३/८४ देखि २०८७/८८ समके हो ।

प्रधानमन्त्री ओ मन्त्रिपरिषद्के कार्यालय अन्तर्गतके मानव अधिकार ओ अन्तर्राष्ट्रिय सन्धि सम्झौता महाशाखासे छैटौं राष्ट्रिय कार्ययोजना सार्वजनिक करल बा ।

संयुक्त राष्ट्र संघके आह्वानमे सन् १९९३ मे अष्ट्रियाके भियनामे सम्पन्न विश्व मानव अधिकार सम्मेलनद्वारा स्वीकृतसे निर्धारण करल विषय, मानव अधिकारसम्बन्धी अन्तर्राष्ट्रिय सन्धि, महासन्धि ओ अनुवन्धकै नेपाल पक्षराष्ट्र हो ।

इ कारणसे निर्वाह करेकपर्ना अन्तर्राष्ट्रिय दायित्व ओ नेपालके संविधान, नीति ओ कानुनसे व्यवस्था करल राष्ट्रिय दायित्वहे कार्यान्वयन कैना मानव अधिकारसम्बन्धी राष्ट्रिय कार्ययोजना निर्माण करके कार्यान्वयनहे निरन्तरता देहल महाशाखासे जनैले बा ।

देखाइल कार्ययोजनामे शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय लगायतके टमान १७ ठो मानव अधिकारसम्बन्धी मुख्य प्राथमिकताके क्षेत्र निर्धारण करके औन्के उद्देश्य, क्रियाकलाप, क्रियाकलाप सञ्चालन कैना जिम्मेवार ओ सहयोगी निकाय समावेश बा ।

कार्यसम्पादनकै समयसीमा, कार्यसम्पादनके नतिजा सूचक उल्लेख करके बृहत तालिकाके ढाँचा तयार करल बा ।

कार्ययोजना कार्यान्वयनमे समन्वयके लग संघीय समन्वय समिति, प्रदेश समन्वय समिति, जिल्ला समिति, स्थानीय तह समन्वय समिति रहल व्यवस्था करल बा ।

कार्ययोजना कार्यान्वयनके अवस्था विश्लेषण करके समस्याके पहिचान कैना ओ कार्यान्वयनके क्रममे देखा परल समस्या समाधानके लग उपयुक्त सुझाव ओ पृष्ठपोषण देहटी कार्यान्वयनहे थप सहज ओ प्रभावकारी बनैना अनुगमन संयन्त्रके व्यवस्था करल बा । प्रत्येक समन्वय संयन्त्रसे अर्धवार्षिक ओ वार्षिक रुपमे प्रगति प्रतिवेदन पेस करेकपर्ना व्यवस्था बा ।

टमान तहमे छलफल ओ परामर्श करके तयार हुइल इ कार्ययोजनासे मानव अधिकारके सवाल सम्बोधन हुइना अपेक्षा करल महाशाखासे जनैले बा ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश
- रोजगार सम्झौता गरेर मात्रै काममा लागौं र लगाऔं ।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १९,५५०।- अनिवार्य रुपमा कायम गरौं/गराऔं ।
- समान कामको समान ज्याला लैंगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानूनी अपराध हो ।
- कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरू उपलब्ध गराई काममा लगाऔं, लैंगिक हिंसाको अन्त्य गरौं ।
- बालश्रम कानूनी रुपमा दण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौं/नगराऔं ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रुपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौं व्यवसायजन्य रोग लाग्नबाट बचौं ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरुपमा कार्यान्वयन गरौं ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरुपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔं ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालय

धनगढी, कैलाली

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ३ बोराडाँडी स्थित कित्ता नं. ९७९ क्षेत्रफल २०३.१६ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री सुरेन्द्र बहादुर बमले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्वः सुरेशराज पाण्डेय | पश्चिमः सडक

उत्तरः सुरेशराज पाण्डेय | दक्षिणः प्रेमबहादुर मल्ल

धनगढी उपमहानगरपालिका

नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

विपद् जोखिम न्यूनीकरणको पूर्वतयारी गरौं

- बर्षाको समयमा बाढी पहिरो तथा चट्याङको जोखिम हुन सक्छ,
- सम्भावित जोखिमको मूल्यांकन गरौं, सचेत बनौं,
- जोखिमयुक्त स्थानमा नबसौं, सुरक्षित स्थानमा बसौं,
- नदि किनारा वा भिरालो जमिनमा बसोबास भएकाहरु बिशेष सतर्क रहौं,
- सम्भावित जोखिमबाट बच्न आपतकालीन पूर्वयोजना बनाऔं,
- घर परिवार र छिमेकीहरूसँग मिलेर सुरक्षित स्थानको पहिचान गरौं,
- सम्पर्क बिन्दुहरु तय गरौं, सूचना प्रणालीमा आवद्ध होऔं,
- खाद्यान्न, पानी, प्राथमिक उपचार सामग्री, टर्चलाइट र आवश्यक औषधि आदि तयारी अवस्थामा राखौं,
- प्रकोप व्यवस्थापन तालिम तथा अभ्यासमा सहभागी बनौं,
- बालबालिका, बृद्धबृद्धा र अपाङ्गता भएका व्यक्तिको सुरक्षामा ध्यान दिऔं ।

भजनी नगरपालिका

४ नम्बरको कार्यालय

खैलाड, कैलाली

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अव सर !! सुवर्ण अवसर !!!

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

Provide Health Related Services

सेवाहरू:

- मधुमेह(सुगर)
- थाइराइड रोग
- पेट,मुटु तथा छातिरोग
- कलेजो रोग
- TB, हेपाटाइटिस रोग
- ब्लडप्रेसर तथा हृदयरोग
- मोटोपना

डा. अकाश राउत

MBBS, MD (TU), Internal Medicine
Senior Consultant Physician
NMC NO. 20304

आउने समय : प्रत्येक दिन (२४सै घण्टा)

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरू : १) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन । २) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली

फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९